Meaning and defination of history B.Ed. Sem II

By
Dr. Punam Thakur

Scanned with CamScanner

इतिहास का अर्थ एवं परिभाषा
(MEANING AND DEFINITION OF HISTORY)

इतिहास का शाब्दिक अर्थ (Meaning of History)—'History' शब्द की उत्पत्ति लैटिन तथा ग्रीक शब्द 'Historia' से मानी जाती है जिसका अर्थ है—जानना (Knowing)। भारतीय परम्परा के अनुसार 'इतिहास' शब्द का अर्थ है—'ऐसा ही हुआ'। इस शाब्दिक अर्थ द्वारा अतीत की घटनाओं की ओर संकेत दिया जाता है। 'इतिहास' शब्द के अतिरिक्त हमारे देश में 'तवारीख' शब्द और प्रचलित है। परन्तु यह शब्द इतिहास के वास्तविक अर्थ का बोध कराने में असफल है, क्योंकि 'तवारीख' शब्द तारीख का बहुवचन है। इतिहास केवल तिथियों या तारीखों का ही संग्रह मात्र नहीं है वरन् इनसे अधिक है।

इतिहास की परिभाषा (Definition of History)—इतिहास की विभिन्न परिभाषाएँ उनकी व्याख्याओं सहित नीचे दी जा रही हैं—

'इतिहास' शब्द का दो अर्थों में प्रयोग—इस शब्द का घटनाओं का संकलन तथा स्वयं एक घटना के रूप में—प्रयोग किया गया है। इतिहास के निर्माण के लिए घटना का होना आवश्यक है। जब इतिहास स्वयं एक घटना है तो प्रश्न यह उठता है कि वह घटना कब, कहाँ, कैसे और क्यों घटी ? इतिहास इन प्रश्नों का ही उत्तर है। **हेनरी जॉनसन** का विचार है कि—**"इतिहास विस्तृत रूप में प्रत्येक घटना है जो कि**

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

कभी घटित हुई।" इस प्रकार वह स्वयं अतीत काल से सम्बन्धित है; अर्थात् भूतकालीन घटनाओं का उल्लेख ही इतिहास है। इसका अर्थ यह है कि उसमें प्राचीनकाल से लेकर एक क्षण पहले समाप्त हुए समय तक ही घटनाओं का वर्णन आ जाना चाहिए। परन्तु इसका आशय यह नहीं है कि इसमें अतीत काल में सब जीवों अथवा विश्व में हुई सभी उथल-पुथल का विचार होना भी आवश्यक हो। इतिहास में केवल मानव-जीवन की घटनाओं का ही उल्लेख होता है।

डॉ. राधाकृष्णन ने इतिहास को राष्ट्र की स्मरण-शक्ति कहा है। जिस प्रकार वैयक्तिक ऐक्य में स्मरण-शक्ति का बहुत महत्त्व है उसी प्रकार राष्ट्र की जातियों के लिए यह आवश्यक है और जातियों की स्मरण-शक्ति ही इतिहास है। उनके इस कथन में पर्याप्त सत्यता है।

एक विद्वान् ने इतिहास को 'नवद्वार कलैण्डर' कहा है। इसमें उसने इतिहास को केवल तिथि बताने या देने वाला कहा है। परन्तु इतिहास केवल तिथि ही नहीं बताता, बल्कि, 'कैसे', 'कहाँ' और 'क्यों' जैसे प्रश्नों का भी उत्तर देता है।

कुछ विद्वानों का विचार है कि इतिहास केवल युद्धों का ही विवेचन करता है, लेकिन उन्होंने इतिहास के दूसरे पक्ष को नहीं देखा जबकि इतिहास मानव समाज के प्रत्येक पहलू का वर्णन करता है।

इतिहास की सबसे उपयुक्त परिभाषा रेपसन महोदय ने दी है, जो कि सत्य है—**"इतिहास घटनाओं या विचारों की उन्नति का एक सुसम्बद्ध विवरण है।"**

"History is a connected account of the course of events or progress of ideas."

—Rapson

इसमें इतिहास की वैज्ञानिकता को भी स्पष्ट किया गया है। विज्ञान सुसंगठित एवं क्रमबद्ध ज्ञान होता है। इस परिभाषा में घटनायें एक-दूसरे से सम्बन्धित हैं जो इतिहास का निर्माण करती हैं। घटनाओं के तारतम्य को आधार बनाकर उनके क्रमबद्ध वर्णन करने से इतिहास की रचना होती है।

प्रो. घाटे के अनुसार—**"इतिहास हमारे सम्पूर्ण भूतकाल का वैज्ञानिक अध्ययन तथा लेखा-जोखा है।"**

"It is scientific study and record of our complete past." **—Ghate**

घाटे ने आगे लिखा है कि इतिहास को काल और देश की सीमाओं में नहीं बाँधा जा सकता है क्योंकि इतिहास उस काल से मानव का अध्ययन करता है, जब से वह पृथ्वी पर अवतरित हुआ है। इस प्रकार **"पृथ्वी पर मानव-जीवन के विकास का अध्ययन ही इतिहास है।"**

जॉन ह्यूजिंगा के अनुसार—**"इतिहास वह बौद्धिक स्वरूप है जिसमें सभ्यता अपने अतीत को चित्रित करती है।"**

"History is the intellectual form in which civilization renders account to itself of its past. **—Huizinga, John :** *Philosophy & History*, p. 9.

Scanned with CamScanner

हेनरी जॉनसन का मत है कि "इतिहास स्वयं विकास का रूप है और इसलिए यह पूर्णतया नवीन कभी नहीं रहा। इतिहास, अन्वेषण के रूप में प्रारम्भ हुआ और अब भी अन्वेषण है। इतिहास ने लेखा-जोखा का रूप धारण कर लिया था और अब भी वह एक लेखा है। इतिहास वह था जो वास्तविक रूप में घटित हुआ और अब भी उसका वही रूप है। इतिहास वही रहा है जो मानव ने अतीत के प्रति सोचा और अब भी वही है जो हम सब अतीत के विषय में सोचते हैं। इस प्रकार इतिहास सदैव से अतीत की कृति रहा है।"

मेटलेण्ड का विचार है "मानव ने जो कुछ किया और कहा है, यहाँ तक कि जो कुछ उसने सोचा है, वह इतिहास है।"

"What men have done and said and above all, what they have thought that is History."
—**Maitland**

उक्त परिभाषाओं से स्पष्ट हो जाता है कि इतिहास मानव-जीवन के विकास की कहानी है। इसमें अतीत के मानव-जीवन का ऐसे ढंग से विवेचन किया जाता है जिससे वर्तमान के मानव-जीवन को सरलता से समझा जा सके। इतिहास मानव द्वारा निर्मित संस्थाओं के उद्‌गम, उनके विकास एवं उनके अतीतकालीन भेद तथा उसके वर्तमान स्वरूप आदि पर प्रकाश डालकर मानव को मानव से परिचित कराता है। अतः इस विश्व में हुई मानव की समस्त गतिविधियों का वर्णन इतिहास में किया जाता है। इस प्रकार सम्पूर्ण विश्व मानव का निवास-स्थान है और इतिहास उसके विचारों, कार्यों, आन्दोलनों आदि का वर्णन करता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner